सांध्य दैनिक

4PM

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 340 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शनिवार, 18 जनवरी, 2025

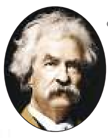

भले ही आप कपड़े पहनने में लापरवाह रहिये पर अपनी आत्मा को दुरुस्त रखिये।
-मार्क ट्वेन

सिंधु और किरण की क्वार्टरफाइनल में... 7 | दिल्ली चुनाव में महिला वोटों पर... 3 | लोगों का उत्पीड़न कर रही भाजपा... 2

रोजगार आंकड़े में घालमेल पर निशाने पर आई एनडीए सरकार

कांग्रेस ने लिंक्डइन रिपोर्ट का दिया हवाला, पीएम पर साधा निशाना

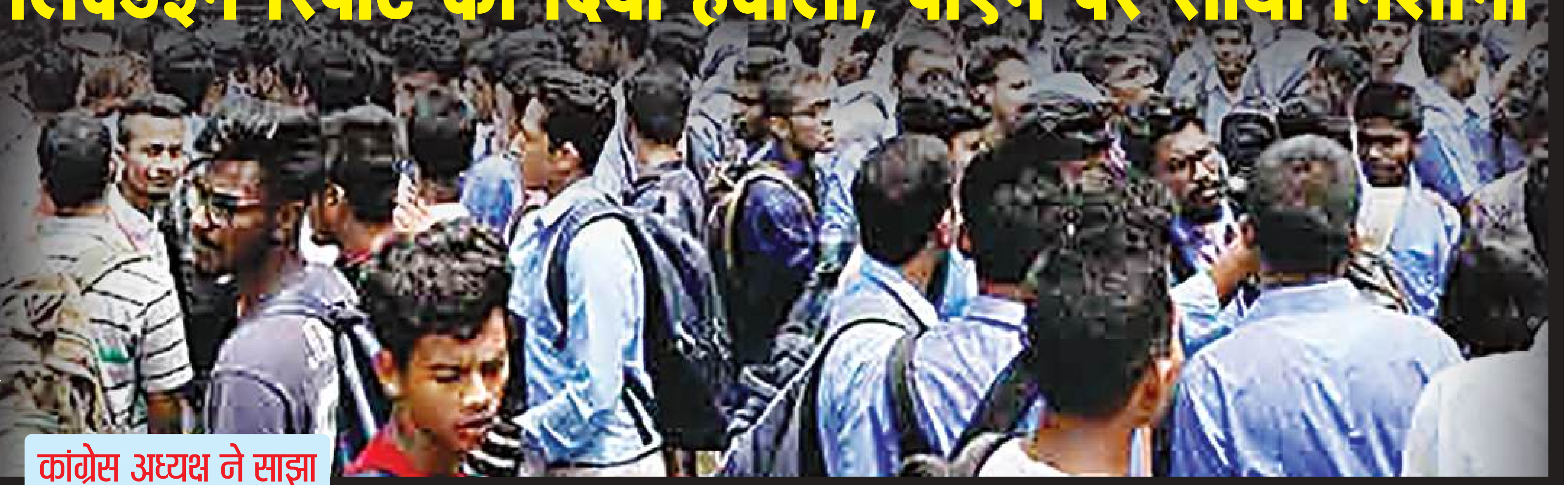

» कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- झूठ बोलकर लोगों को किया जा रहा गुमराह

» 80 प्रतिशत युवा नई नौकरी की कर रहे तलाश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रोजगार पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बयान के बाद से भाजपा आग बबूला हो गई है। दरअसल, खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आंकड़ों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। वे रोजगार के अवसरों के बारे में लाखों युवाओं को गुमराह करने के लिए पुराने सर्वेक्षणों का सहारा ले रहे हैं, वह भी उचित जनगणना कराए बिना।

राज्य सभा में नेता सदन खरगे ने कहा देश के 80 प्रतिशत युवा नौकरी की तलाश में जुटे हैं जबकि एनडीए सरकार रोजगार में देश को मालामाल बता रही जबकि ये आंकड़े सच से कोसों दूर है। उधर जम्मू-कश्मीर पर रोजगार पर आई एक रिपोर्ट को लेकर भी हंगामा मचा है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राज्य के बेरोजगारी से परेशान युवाओं ने अपराध का रास्ता अपना लिया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने साझा की एक रिपोर्ट

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लिंक्डइन की एक रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्र सरकार देश में घटते नौकरी बाजार की वास्तविकता पर पर्दा डाल रही है। इस वर्ष कम से कम 82प्रतिशत युवा नौकरी की तलाश कर रहे हैं और 55प्रतिशत ने बताया कि 2024 में नौकरी ढूंढना अधिक कठिन हो गया है, जबकि 37प्रतिशत ने 2025 तक नई नौकरी खोजने की उम्मीद छोड़ दी है। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार पर विभिन्न नीतिगत बदलावों के माध्यम से भारत में मौजूदा रोजगार स्थिति के बारे में युवाओं को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने एक अलग सर्वेक्षण का भी हवाला दिया, जिसमें बताया गया है कि 69प्रतिशत भारतीय मानव संसाधन पेशेवरों को उपलब्ध पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों का पता लगाना अधिक चुनौतीपूर्ण लगता है। खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आंकड़ों को गलत तरीके से पेश करने का आरोप लगाया। वे रोजगार के अवसरों के बारे में लाखों युवाओं को गुमराह करने के लिए पुराने सर्वेक्षणों का सहारा ले रहे हैं, वह भी उचित जनगणना कराए बिना।

जम्मू-कश्मीर में बेरोजगार युवाओं ने अपनाया अपराध का रास्ता

जम्मू-कश्मीर में नशा, बेरोजगारी और सोशल मीडिया युवाओं को अपराध की ओर धकेल रहे हैं, जिसके कारण जेलों में अंडर ट्रायल कैदियों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। नशा, बेरोजगारी और सोशल मीडिया प्रदेश के युवाओं को अपराधी बना रहा है। ऐसे मामलों में जम्मू-कश्मीर की जेलों में बंद अंडर ट्रायल कैदियों में 86 फीसदी 20 से 45 वर्ष की आयु युवा हैं। 45 की उम्र तक पहुंचने पर अपराध की रफ्तार और भी बढ़ रही है। चोरी और मारपीट की घटनाओं में शामिल होने वालों की संख्या भी अधिक है। मनोचिकित्सक मानते हैं कि सोशल मीडिया और बेरोजगारी इसके दो बड़े कारण हैं। इसी वजह से कई तरह के अपराध हो रहे हैं। बेरोजगारी युवाओं को आर्थिक जरूरत पूरी करने के लिए अपराध की ओर धकेल रही है। इसके लिए वे नशा तस्करी कर रहे हैं। बीते वर्ष जम्मू जिले में दर्ज नशा तस्करी के 350 मामलों में हेरोइन तस्करी के ही 250 थे। हैरानीजनक है कि नशा तस्करी में गिरफ्तार होने वाले तस्कर खुद नशेड़ी और बेरोजगार पाए गए। सोशल मीडिया पर सबकुछ खुला है।

देश को धोखा दे रही है मोदी सरकार : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार प्रति सप्ताह सिर्फ एक घंटे के काम को वैध रोजगार के रूप में गिनकर देश को धोखा दे रही है। मोदी सरकार ने माफिया द्वारा आयोजित पेपर लीक, सीमित पदों के लिए अराजक नौकरी मेले, नोटबंदी और दोषपूर्ण जीएसटी कार्यान्वयन जैसी हानिकारक नीतियों के कारण नौकरियां खत्म होने, आरक्षण के अधिकारों को कमजोर करने, सरकारी नौकरी की रिक्तियों को वर्षों तक खाली छोड़ने जैसे झूठ बोलकर युवाओं को गुमराह किया है।

जेलों में 3880 सिर्फ 20 से 45 आयु वर्ग वाले कैदी

जेल विभाग के अनुसार, जेलों में नवंबर 2024 तक कुल 4472 अंडर ट्रायल कैदी थे। इनमें 3880 सिर्फ 20 से 45 आयु वर्ग वाले ही हैं। इनमें 133 महिलाएं भी हैं। सबसे अधिक संख्या 26 से 35 वर्ष के बीच है। इस आयु वर्ग के 1595 और इसके बाद 19 से 26 आयु वाले 1270 युवा हैं।

मोदी को यूपीए से नाजुक अर्थव्यवस्था विरासत में मिली : पानगड़िया

16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविन्द पानगड़िया ने बताया कि पूर्ववर्ती संप्रग सरकार से पीएम मोदी को बहुत ही नाजुक अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, लेकिन फिर भी भारत को विकसित करने के लिए काफी काम किया गया है, इसमें और अधिक काम करने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था की चुनौतियों पर काबू पा लिया गया है। विकसित भारत के लिए 2047 तक लगभग 7.6 प्रतिशत की निरंतर वृद्धि को न्यूनतम माना जाता है। इसे हासिल करना बहुत संभव है। उन्होंने कई रिपोर्ट्स की ओर इशारा करते हुए कहा कि भारत की जीडीपी 2024/25 में लगभग आठ प्रतिशत बढ़ने की संभावना है।

बिहार पहुंचे राहुल, संविधान सुरक्षा सम्मेलन में लिया हिस्सा

» बीपीएससी उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे राहुल गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी की पहली बिहार यात्रा

» सदाकत आश्रम को दुल्हन की तरह सजाया गया है राहुल की मेजबानी के लिए

पटना। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शनिवार को पटना पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष वहां संविधान सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक में भी भाग लिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी की यह पहली बिहार यात्रा है। कांग्रेस पार्टी ने इस यात्रा के लिए बड़ी तैयारी की है।

पार्टी के राज्य मुख्यालय सदाकत आश्रम को राहुल गांधी के स्वागत के लिए सजाया गया है। बिहार कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि पूर्व पार्टी प्रमुख के आगमन से कांग्रेस कार्यकर्ता बहुत उत्साहित हैं और खुशनुमा माहौल भी है। शकील अहमद खान ने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता सम्मेलन और संविधान सुरक्षा सम्मेलन सहित इस कार्यक्रम में पूरे बिहार से कांग्रेस कार्यकर्ता पटना आएंगे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं की बातचीत

अपनी यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से बातचीत की। साथ ही वे सामाजिक संगठनों से भी मिले। यह भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान जमीनी स्तर पर आंदोलनों से जुड़ने के उनके फोकस को जारी रखने का हिस्सा है। इसके अलावा, राहुल गांधी बीपीएससी उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों से मिल सकते हैं, जो हाल ही में हुए प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ विरोध कर रहे हैं और परीक्षा रद्द करने की मांग कर रहे हैं। राहुल गांधी सदाकत आश्रम, कांग्रेस राज्य मुख्यालय में नवनिर्मित स्टाफ क्वार्टर और नवीनीकृत सभागार का उद्घाटन भी करेंगे।

लोगों का उत्पीड़न कर रही भाजपा सरकार : अखिलेश

हारी हुई सीटों को बूथवार मजबूत करने में जुटी सपा

» बोले सपा मुखिया- भाजपा को सत्ता से हटाना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इन दिनों अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर सियासत गर्म है। इसी कड़ी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्ताधीश भाजपा को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा के सत्ता में रहने से लोकतंत्र को भारी नुकसान हुआ है। भाजपा ने समाज और राजनीति को बहुत क्षति पहुंचाई है। सपा मुखिया ने कहा कि भाजपा समाज में नफरत फैलाती है।

वह भेदभाव की राजनीति करती है। भाजपा संविधान और लोकतंत्र विरोधी कार्य करती है। इसे सत्ता से हटाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के समर्थक भी समझ गए हैं कि यह सरकार उनका नुकसान कर रही है। भाजपा की गलत नीतियों से किसान, नौजवान, व्यापारी सभी निराश और दुखी हैं। यह सरकार लोगों का उत्पीड़न कर रही है। अन्याय, अत्याचार कर रही है। समाजवादी पार्टी उन सीटों पर विशेष फोकस कर रही है, जहां वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा था। वहां बूथों को तीन श्रेणियों में बांटकर स्थानीय

लूट की नीति से हर वर्ग त्रस्त

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में कोई नया निवेश नहीं दिखाई दे रहा है। पुराने कारखाने प्रदेश से बाहर चले जा रहे हैं। भाजपा की झूठ और लूट की नीति से हर वर्ग त्रस्त है। कानपुर समेत प्रदेश के कई शहरों के व्यवसायी अपना व्यवसाय बंद कर दूसरी जगहों पर जा रहे हैं।

इकाइयों को जिम्मेदारी दी जा रही है। पीडीए के साथ-साथ बसपा के वोट बैंक पर भी उसकी खास नजर है।यूपी में पिछले विधानसभा चुनाव में सपा ने 111 सीटें जीती थीं। तब उसके सहयोगी रहे रालोद और सुभासपा के खाते में भी क्रमशः 8 व 6 सीटें आई थीं। सपा सूत्रों के मुताबिक, शेष जिन सीटों पर सपा को हार का सामना करना पड़ा था, वहां के बूथों को तीन हिस्सों में बांटा गया है। ये श्रेणियां पिछले चुनाव में मिले मत प्रतिशत के आधार पर तय की गई हैं। सपा की रणनीति है कि जिन बूथों पर कमजोर रहे थे, वहां लगातार अभियान चलाकर मतदाताओं को खुद से जोड़ा जाए। साथ ही जहां हार-जीत का अंतर कम रहा, वहां ओबीसी और दलित मतदाताओं के बीच विशेष काम किया जाए। पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों से कहा गया है कि वे इन मतदाताओं के सुख-दुख के साझेदार बनें। उनके लिए जहां संघर्ष की आवश्यकता हो, उसमें पीछे न रहें। दलित मतदाताओं के बीच संविधान और डॉ. भीमराव आंबेडकर के बारे में समाजवादी सोच को अधिकाधिक प्रचारित किया जाए।

वाराणसी की खिलाड़ियों को अखिलेश ने दी आर्थिक मदद

वाराणसी के एक ही परिवार की तीन खिलाड़ियों ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से प्रदेश मुख्यालय पर भेंट की। वाराणसी की तीन लड़कियों प्रीति पटेल, प्राची पटेल और शशि पटेल को छत्तीसगढ़ में 2 जनवरी से 6 जनवरी तक आयोजित स्कूली बच्चों की कुश्ती प्रतियोगिता में क्रमशः गोल्ड, सिल्वर एवं ब्रोंज मेडल मिले थे। अखिलेश यादव ने इनकी सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा उन्हें आर्थिक मदद भी दी। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि देश का नाम रोशन करने के लिए गरीब परिवारों के बच्चे ही खेलते हैं। मेहनतकश परिवारों से ही अच्छे खिलाड़ी निकलते हैं। वाराणसी के खिलाड़ी बच्चों की मां सरिता पटेल सब्जी बेचकर बच्चों को पढ़ा रही हैं। इस अवसर पर कुश्ती संघ, वाराणसी के संयुक्त सचिव गोरख यादव, कोच अजीत पाल और खिलाड़ी बच्चों की मां सरिता पटेल भी मौजूद थीं।

घोषणा और वादा जमीन पर नहीं दिख रहा

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा के दस साल के कार्यकाल में कोई घोषणा और वादा जमीन पर नहीं दिख रहा है। भाजपा सरकार न गंगा मां की सफाई कर पाई, और न गायों की सेवा कर पाई। प्रदेश में प्रतिदिन 50 हजार गायें कट रही हैं। पूरी सरकार इस पर मौन है।

दलितों एवं पिछड़ों को साधेगी कांग्रेस

» बुंदेलखंड और कानपुर क्षेत्र में सम्मेलन के जरिए पैठ बनाने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस जय बापू- जय भीम-जय मंडल, जय संविधान कार्यक्रम के जरिए दलितों एवं पिछड़ों को लगातार जोड़ने में जुटी है। इसके तहत 18 जनवरी को फतेहपुर में सम्मेलन हो रहा है। इसके बाद 21 को बाराबंकी, 23 को गोरखपुर और 31 को लखनऊ में होगा। इन कार्यक्रमों में पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेता हिस्सा लेंगे।कांग्रेस पिछड़ा वर्ग विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम के जरिए दलितों एवं पिछड़ों को जोड़ने की मुहिम शुरू की गई है।

इन सम्मेलनों में केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से विभिन्न विभागों में निकलने वाली भर्ती की खामियां भी गिनाई जाएंगी। विश्वविद्यालयों में संकाय सदस्यों की नियुक्ति में आरक्षण की अनदेखी से जुड़े मुद्दे भी उठाए जाएंगे। पिछड़ा वर्ग विभाग के अध्यक्ष मनोज यादव ने बताया कि फतेहपुर के जहानाबाद में प्रदेश महासचिव अनूप सचान के नेतृत्व में कार्यक्रम होगा। लोगों को संविधान में दिए गए अधिकारों से वाकिफ कराया जाएगा। इसमें बुंदेलखंड और कानपुर क्षेत्र के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को बुलाया गया है।

अभी अधिकृत कार्यक्रम नहीं भेजा गया : अजय राय

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कहना है कि महाकुंभ 2025 पुण्य कमाने का एक मौका है। वह खुद भी उसमें जाएंगे। जहां तक राहुल गांधी और प्रियंका गांधी का मसला है तो अभी तक नई दिल्ली कार्यालय से कोई अधिकृत कार्यक्रम नहीं भेजा गया है। भाजपा नेता की ओर से की गई टिप्पणी पर उन्होंने कहा कि भाजपा हमेशा बांटने का कार्य करती है। महाकुंभ 2025 के नाम पर सियासत नहीं होनी चाहिए।

महाकुंभ में आ सकते प्रियंका-राहुल, टीम ने प्रयागराज पहुंचकर लिया जायजा

यूपी के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ 2025 में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी भी आ सकती हैं। संभावना है कि दोनों फरवरी के पहले सप्ताह में प्रयागराज आएंगे। उनके आने से पहले सेवादल ने प्रयागराज में शिविर लगा दिया है। प्रियंका गांधी की टीम भी प्रयागराज जाकर विभिन्न स्थलों की स्थिति की जानकारी ले चुकी है। हालांकि अभी तक अधिकृत तौर पर प्रदेश मुख्यालय को कार्यक्रम नहीं भेजा गया है।कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वर्ष 2019 में प्रयागराज पहुंच कर कुंभ स्नान कर चुकी हैं। वह अन्य धार्मिक स्थलों पर भी जाती रही हैं। इसी तरह राहुल गांधी भी जहां भी जाते हैं, दर्शन पूजन करते हैं। महाकुंभ में भी राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पहुंचने की संभावना है। पार्टी सूत्रों की मानें तो बुधवार को प्रियंका गांधी की टीम से जुड़े कुछ लोग प्रयागराज पहुंचे थे। यह भी संभावना है कि प्रयागराज पहुंचने पर दोनों नेता शिविर में भी पहुंचेंगे।

नीतिश का छोड़ा साथ, तेजस्वी से मिलाया हाथ

» मंगनी का आरोप जेडीयू में होता है अतिपिछड़ों के साथ भेदभाव

पूर्व सांसद मंगनी लाल मंडल ने जेडीयू से दिया इस्तीफा आरजेडी की सदस्यता ग्रहण की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले जेडीयू को बड़ा झटका लगा है और आरजेडी के कुनबे में बढ़ोतरी हुई है। पूर्व सांसद मंगनी लाल मंडल ने जेडीयू से अपना नाता तोड़ते हुए आरजेडी में घर वापसी की है। मंगनी लाल मंडल ने आरजेडी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण कर ली है। नेता प्रतिपक्ष और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई।

तेजस्वी यादव ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह हमारे लिए गर्व का पल है कि हमारे अभिभावक और पिता जी के सहयोगी रहे मंगनी लाल मंडल फिर से पार्टी में शामिल हो गए हैं। मंगनी लाल मंडल के आने से पार्टी को लाभ होगा ही, साथ ही उनके अनुभव से हम युवा बिहार में समाजवाद को और भी ऊंचा उठा सकेंगे। मंगनी लाल मंडल को पार्टी में एक अहम भूमिका दी जाएगी। उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी। वहीं, आरजेडी में शामिल होने के बाद मंडल ने कहा कि वह अपने पुराने घर में वापस लौटकर काफी खुश हैं। पार्टी के संस्थापक लालू यादव उनके नेता हैं और वह हमेशा उनके सहयोगी रहे हैं। पूर्व सांसद ने कहा कि वह पांच साल तक जेडीयू में उपाध्यक्ष और सचिव रहे, लेकिन पार्टी में उन्हें कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं दी गई।

बामुलाहिज़ा
कार्टून : हसन ज़ैदी

श्रद्धालुओं की संख्या फर्जी बताने पर भाजपा का पलटवार

» अखिलेश यादव को टेक्नोलॉजी पर भरोसा नहीं : भूपेंद्र सिंह चौधरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि महाकुंभ में अब तक सात करोड़ से अधिक श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह आंकड़ा आधुनिक तकनीक के जरिये जारी हुए हैं। अब सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को देश की टेक्नोलॉजी पर भी भरोसा नहीं रहा।

वे अपने बयान से करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचा रहे हैं, जिसे सनातनी बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2013 में सपा सरकार में हुए कुंभ में आने

वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई थी। सरकार की अनदेखी की वजह से ही भगदड़ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की जान चली गई थी। इस घटना को आज भी देशवासी और श्रद्धालु भुला नहीं सके हैं। योगी सरकार में शांति और भव्य तरीके से महाकुंभ का आयोजन हो रहा है। इसकी गूंज देश-दुनिया में सुनाई दे रही है, लेकिन अखिलेश यादव के कानों तक नहीं पहुंच रही। वह सनातनी नहीं बल्कि विशेष समुदाय के अनुयायी हैं।

दिल्ली चुनाव में महिला वोटों पर सबकी नजर

कांग्रेस-भाजपा व आप आमने-सामने, मुकाबला हुआ त्रिकोणीय

- » युवाओं के लिए आप ने किए कई वादे
- » सारी पार्टियों ने जारी किए घोषणा पत्र
- » महिलाओं के बाद छात्रों को फ्री में बस का सफर करायेगी आप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव में आमजन के लिए सभी सियासी दलों ने अपने-अपने घोषणा पत्र जारी कर दिये है। लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं के लिए लोकलुभावनी वादे कर दिए हैं। कोई 2100 तो कोई 2500 रुपये देने की बात कर रहा है। इन वादों के साथ आप पर कांग्रेस व भाजपा का हमला जारी है। आप के साथ में सपा, एनसीपी शरद चंद्र व टीएमसी खुलकर खड़ी हो गई। कांग्रेस दिल्ली में अकेले लड़ रही है ऐसे में इंडिया गठबंधन के कई साथी दलों का आप के साथ आने से वह नाराज हो गई है। हालांकि सपा मुखिया ने कांग्रेस से दूर होने की बात को नकारा हैं उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन में पहले से ही ये निश्चय किया गया है जिन राज्यों में जो पार्टी भाजपा को हराएगी उसका साथ दिया जाएगा ऐसे में विवाद करना ठीक नहीं है।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक नई चुनावी घोषणा की है उन्होंने छात्रों से वायदा करते हुए कहा है कि यदि दिल्ली में एक बार फिर से आप की सरकार बनती है, तो दिल्ली की बसों में छात्रों को फ्री यात्रा का लाभ मिलेगा। इसके अलावा, केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मेट्रो में छात्रों के लिए 50 प्रतिशत किराए की छूट देने की अपील की है।आप संयोजक केजरीवाल ने कहा कि बच्चें जब पढ़ाई करेंगे तो ही देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि कई गरीब बच्चों की शिक्षा इस वजह से रुक जाती है क्योंकि उनके पास स्कूल और कॉलेज जाने के लिए पैसे नहीं होते। उन्होंने स्पष्ट किया, मैं आज एक बड़ा ऐलान कर रहा हूं कि अगर हमारी सरकार बनती है, तो छात्रों को बस में मुफ्त यात्रा का मौका मिलेगा। फिलहाल, केवल महिलाओं को फ्री बस यात्रा का लाभ प्राप्त है, लेकिन पुरुष छात्रों को यह सुविधा नहीं मिलती।उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दिल्ली के अधिकांश छात्र मेट्रो का उपयोग करते हैं, जो कि शहर की जीवनरेखा है, लेकिन इसका किराया काफी बढ़ गया है। इसके चलते छात्रों को आर्थिक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। केजरीवाल ने कहा, मेट्रो दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच 50-50 का साझेदारी है। अगर लाभ होता है तो वह दोनों में बंटता है और अगर हानि होती है तो वह भी समान रूप से बांटी जाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए कहा, मैंने आज पत्र लिखा है कि हमें छात्रों को 50 प्रतिशत छूट देनी चाहिए। मेट्रो में दी जाने वाली छूट का खर्च दिल्ली और केंद्र सरकार के बीच समान रूप से बांटा जाना चाहिए। यह पूरी तरह से जनहित का मामला है। केजरीवाल ने स्पष्ट किया कि इसमें किसी प्रकार की राजनीति नहीं होनी चाहिए और उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री मोदी इस प्रस्ताव को स्वीकार करेंगे। उन्होंने कहा, चुनाव समाप्त होने के बाद हम छात्रों के लिए बसों में फ्री यात्रा की व्यवस्था करेंगे और मेट्रो में भी 50 प्रतिशत छूट देंगे। यह दिल्ली के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा है और मुझे उम्मीद है कि वे इसे सकारात्मक रूप से स्वीकार करेंगे और इससे उनके जीवन में खुशी आएगी।

कांग्रेस के मजबूती से लड़ने पर सीधा नुकसान आप को

जिस शराब नीति घोटाले ने आप को बड़े संकट में डाला, उसकी शिकायत कांग्रेस ने ही की थी। हाल ही में महिला सम्मान योजना में फर्जीवाड़े की आशंका की शिकायत लेकर भी कांग्रेस के संदीप दीक्षित ही उपराज्यपाल के पास पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा है कि पंजाब पुलिस उम्मीदवारों की जासूसी कर रही है और दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए पंजाब से कैश लाया जा रहा है। कांग्रेस को उम्मीद है कि उसके कोर वोटर फिर से वापस आ जाएंगे क्योंकि आम आदमी पार्टी इस बार बीजेपी के हिंदुत्व के एजेंडे पर है। ओवैसी भी मुस्लिम बहुल इलाकों में उम्मीदवार उतार रहे हैं। मुस्लिम वोटों का बंटना तय है। ऐसे में आम आदमी पार्टी मुस्लिम वोटों पर चुप रहकर जाट आरक्षण को बड़ा मुद्दा बनाने में जुट गई है। कांग्रेस की पूरी कोशिश है कि वो अपने पुराने मतदाता वर्ग को वापस अपनी तरफ़ आकर्षित करे। राजनीति के जानकार मानते हैं कि अगर ऐसा हुआ तो इसकी सीधी क़ीमत आम आदमी पार्टी को चुकानी पड़ सकती है। दिल्ली में कांग्रेस की राजनीतिक विरासत रही है। वहीं मुसलमान मतदाता असमंजस में नज़र आ रहे हैं। यदि कांग्रेस की तरफ़ गए तो कई सीटों के नतीजे बदल सकते हैं।

मुस्लिमों के सहारे वोट प्रतिशत बढ़ाने पर फोकस

1998 से 2013 तक लगातार तीन विधानसभा चुनाव जीतने वाली कांग्रेस 2015 के चुनाव में खाता तक नहीं खोल पाई। पार्टी को सिर्फ 9.65प्रतिशत वोट मिले। वहीं, 2013 के चुनाव में कांग्रेस ने 24.55प्रतिशत वोट के साथ 8 सीटें जीती थीं। दिल्ली में पार्टी की दुर्गति यहीं नहीं रुकी। 2020 में वोट गिरकर 4.26प्रतिशत रह गया। ऐसे में दिल्ली में 70 विधानसभा सीटें हैं। इनमें से 25-26 ऐसी हैं, जहां मुस्लिम, निम्न मध्यमवर्गीय और अनुसूचित जाति एवं जनजाति मतदाता बहुलता में है। लोकसभा चुनाव में भी इन सीटों पर पार्टी को अच्छा वोट मिला है। इन सीटों में मंगोलपुरी, सुल्तानपुरी, बाबरपुर, सीमापुरी, सीलमपुर, मुस्तफाबाद, गोकलपुर, चांदनी चौक, मटिया महल और बल्लीमारान प्रमुख है। दिल्ली में पांच ऐसी सीटें हैं, जो मुस्लिम बाहुल्य है। इनमें ओखला (43 प्रतिशत), सीलमपुर (50 प्रतिशत), मुस्तफाबाद (37 प्रतिशत), बल्लीमारान (38 प्रतिशत), मटियामहल (49 प्रतिशत) आदि शामिल है। कांग्रेस इनमें तो मुस्लिम प्रत्याशी उतार ही रही है, कई हिंदू बाहुल्य सीटों पर भी मुस्लिम प्रत्याशी उतारने की तैयारी है। मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह से वोट प्रतिशत बढ़ जाए।

भाजपा ने भी जारी किया घोषणा पत्र

दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने संकल्प पत्र (घोषणा पत्र) जारी कर दिया है। उन्होंने दिल्ली वासियों से वादा कि दिल्ली में जन कल्याण की चल रहीं वर्तमान योजनाएं उनकी सरकार (भाजपा) बनने के बाद भी जारी रहेंगी। योजनाओं से जुड़ी सुविधाओं को मजबूत और उनमें सुधार किया जाएगा। उनको भ्रष्टाचार मुक्त भी किया जाएगा। भाजपा अपना संकल्प पत्र तीन चरणों में लागू करेगी। यह इसका पहला हिस्सा है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में महिला समृद्धि योजना के तहत प्रति महीने महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा किया है। इसके अलावा गरीब महिलाओं को गैस सिलेंडर में 500 की सब्सिडी दी जाएगी। दिल्ली में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान भारत योजना को लागू किया जाएगा, योजना के तहत दिल्ली सरकार अलग से 500000 का बीमा करेगी जबकि 5 लाख का बीमा केंद्र सरकार देगी।

दिल्ली की 70 विधानसभा सीटों के लिए 1521 उम्मीदवारों ने दाखिल किया पर्चा

दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए नामांकन की आखिरी तिथि 17 जनवरी को समाप्त हो गया। नामांकन की समय सीमा समाप्त होने तक 70 विधानसभा सीटों के लिए 981 उम्मीदवारों ने कुल 1,521 नामांकन पत्र दाखिल किए, इनमें से अकेले 680 नामांकन पत्र 17 जनवरी को दाखिल हुए। 18 जनवरीको कैंडिडेट्स की ओर से दाखिल नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी हुई जबकि प्रत्याशियों द्वारा नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 20 जनवरी है। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के तहत सबसे ज्यादा नामांकन पत्र नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में दाखिल हुए हैं.। नई दिल्ली में कुल 29 उम्मीदवारों ने 40 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। बता दें कि नई दिल्ली सीट से ही आप संयोजक अरविंद केजरीवाल चुनावी मैदान में हैं, जिनके सामने बीजेपी से प्रवेश साहिब सिंह वर्मा और कांग्रेस से संदीप दीक्षित उम्मीदवार हैं। कस्तूरबा नगर विधानसभा सीट से सबसे कम नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं कस्तूरबा नगर विधानसभा क्षेत्र में कुल 6 उम्मीदवारों ने 9 नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 कांग्रेस और आम आदमी पार्टी सभी सीटों पर अकेले लड़ रही है. भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली की दो सीटें एनडीए सहयोगी जेडीयू और लोजपा रामविलास को दी ह। एनडीए कोटे के तहत दिल्ली की बुराड़ी सीट जेडीयू और देवली सीट लोजपा रामविलास को दिया गया है। बता दें कि दिल्ली की सभी 70 विधानसभा सीटों पर मतदान 5 फरवरी को होगा। जबकि चुनाव परिणाम 8 फरवरी को आएंगे।

हाथ की करामात पर बीजेपी का भविष्य

कांग्रेस की कोशिश अपना वोट बैंक वापस हासिल करने की है, जिस पर कब्जा कर आप दिल्ली की राजनीति में अजेय बन गई है तो पिछले तीनों लोकसभा चुनाव में सभी सातों सीटें जीतने के बावजूद हर विधानसभा चुनाव में अपमानजनक हार का कड़वा घूंट पीने को मजबूर बीजेपी लगभग 27 साल से दिल्ली की सत्ता से वनवास झेल रही है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर तक कमल खिल जाने के मद्देनजर तो यह चिराग तले अंधेरा जैसी स्थिति है, पर इस बार भी उजाला हाथ की करामात पर ज्यादा निर्भर करेगा। कांग्रेस अपने वोट बैंक का एक ठीकठाक हिस्सा केजरीवाल की मुश्किलें बढ़ा देगा। कुल मिलाकर कहें तो भले ही कांग्रेस दिल्ली में बहुत कुछ ना कर पाए, लेकिन कांग्रेस जहां खड़ी है यहां से जितना भी आगे बढ़ेगी उससे नुक़सान आप को ही होगा। कांग्रेस वोट प्रतिशत में जितना भी आगे बढ़ेगी, वह आम आदमी पार्टी की ही कटौती करेगी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

समग्र बौद्धिक विकास पर ध्यान देने की जरूरत

"दरअसल, आज की सबसे बड़ी समस्या यही है कि युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। या फिर व्हाटसेप यूनिर्विसिटी के भ्रम में फंस के अपना ज्ञान बढ़ा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। जब एक क्लिक में सामग्री मिल जाती है तो फिर पढ़ने-पढ़ाने की कोशिश कौन करें।

पिछले सात-आठ सालों में जबसे सोशल मीडिया का प्रचलन तेजी से बढ़ा हैं तबसे उसपर गलत जानकारियां भी आने लगी हैं। कभी-कभी जानकारियां ऐसी आ जाती हैं जो सच्चाई से कोसो दूर होती हैं। सबसे ज्यादा भ्रामक तथ्य सियासी दलों से जुड़े सोशल मीडिया ग्रुपों पर होती हैं। ये तथ्य कभी-कभी इतने गलत होते हैं आम लोगों की भावनाओं को आहत भी कर देते हैं। कभी-कभी तो ये सूचनाएं ऐसी होती हैं कि समाज का माहौल खराब कर देती हैं। ऐसी गलत चीजों पर लगाम लगाने के लिए सरकारों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। दरअसल, आज की सबसे बड़ी समस्या यही है कि युवा पढ़ने पढ़ाने से दूर होता जा रहा है। गूगल गुरु के सहारें काम चलाया जा रहा है। या फिर व्हाटसेप यूनिर्विसिटी के भ्रम में फंस के अपना ज्ञान बढ़ा रहा है। सबसे अधिक चिंतनीय यह है कि ऐसे में युवाओं के समग्र बौद्धिक विकास की बात करना बेमानी हो जाता है। जब एक क्लिक में सामग्री मिल जाती है तो फिर पढ़ने-पढ़ाने की कोशिश कौन करें। सोशल मीडिया पर परोसी जाने वाली सामग्री में कितना सही है और क्या सही है यह तय करना जोखिम भरा काम है।

परिवारों के हालात यह होते जा रहे हैं कि किताब तो दूर होती जा रही है और क्या बच्चे और क्या बड़े सब मोबाइल पर लगे रहते हैं और आपसी संवाद करने की भी फुर्सत नहीं होती। एकाकीपन बढ़ता जा रहा है। सामाजिकता तो लगभग समाप्त ही होती जा रही है। सोशल मीडिया में शार्टकट मैसेजों का चलन इस कदर बढ़ गया है कि कई बार तो शार्टकट मैसेज को डिकोड करने में ही पसीने आ जाते हैं। अब 2025 की ही बात ले तो सोशल मीडिया पर डब्ल्यूटीएफ का चलन जोरों से चल रहा है। डब्ल्यूटीएफ का एक तो सीधा साधा अर्थ है क्या मजाक है। एक समय था जब बच्चों की कम्यूनिकेशन स्कील विकसित की जाती थी। अब सोशल मीडिया के इस जमाने में कम्युनिकेशन स्किल तो दूर की बात शार्ट कट के आधार पर ही काम चलाया जा रहा है। खास यह कि सामने वाले से यह अपेक्षा की जाती है कि उसे सब कुछ मालूम है। आने वाली पीढ़ी को गंभीर और चिंतनशील बनाना है तो उसे कट पेस्ट के दुनिया से बाहर लाना ही होगा। जितना अधिक अध्ययन मनन होता है व्यक्ति उतना ही निखर कर आता है। जब इंटरनेट की दुनिया में जो जानकारियां हैं उन्हीं का उपयोग किया जाता है तो ऐसी हालत में चिंतन, मनन, तक-वितर्क, वैचारिक परिपक्वता, शोध आदि की कल्पना करना अपने आप में गलत होगा। ऐसे में तकनीक का उपयोग सहजता के लिए किया जाना तो उचित है पर तकनीक के नाम पर केवल शार्ट कट या कॉपी पेस्ट तक सीमित होना अपने आप में गंभीर चिंता का कारण बन जाता है। शिक्षाविदों को इस पर गंभीर चिंतन करना होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

देश के लिए आत्मघाती है मुफ्त की संस्कृति

क्षमा शर्मा

इन दिनों दिल्ली में चुनाव का बोलबाला है। लगता है कि चुनाव जैसी सुपरहिट फिल्म सलीम-जावेद की जोड़ी भी नहीं लिख सकती थी। जिसमें ड्रामा हो, इमोशन हो, नारे हों, नाच-गाना हो, गाली-गलौज हो, एक-दूसरे को सबसे बड़ा खलनायक साबित करने की प्रतियोगिता हो। हर पार्टी अपने को जनता की सबसे बड़ी हितैषी दिखा रही है। इसमें भी तीन सेगमेंट प्रमुख हैं- दलित, पिछड़े और स्त्रियां। बढ़-चढ़कर घोषणाएं की जा रही हैं- ये ले लो, वह ले लो। दलित बच्चों के लिए विदेश में पढ़ने के लिए खास स्कॉलरशिप की घोषणा केजरीवाल ने की है तो स्त्रियों के लिए चुनाव जीतने के बाद इक्कीस सौ रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की जा रही है। स्त्रियों पर सबका फोकस है। कांग्रेस कह रही है कि वह यदि चुनाव जीती, तो महिलाओं को प्रतिमाह पच्चीस सौ रुपये देगी। फ्री-फ्री देने की होड़ लगी है।

मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के चुनावों के बाद सबको लगता है कि अगर महिलाओं को लुभाना है, तो उन्हें अधिक पैसे देने की बात कहनी पड़ेगी। ऐसे में न तो कोई यह कहता है कि महिलाओं के करिअर के उत्थान के लिए क्या-क्या करेगा। उनकी नौकरियों के लिए क्या प्राथमिकताएं होंगी। उन्हें कैसे बढ़ाया जाएगा। देशभर की अड़तालीस करोड़ महिला वोटर्स के जीवन में क्या-क्या आफतें हैं, कौन-कौन से आंधी-तूफान झेलकर वे जिंदा रहती हैं, इन पर शायद किसी का ध्यान ही नहीं है। अपने देश की आबादी एक अरब, चालीस करोड़ है। हो सकता है कि अब कुछ और बढ़ गई हो। इनमें 2024 के आंकड़ों के अनुसार मात्र आठ करोड़, बासठ लाख टैक्स देने वाले हैं। इनमें भी सबसे बड़ी संख्या नौकरीपेशा लोगों की है। आबादी के हिसाब से यह संख्या कितनी मामूली है। कहा जाता है कि देश के विकास के लिए लोगों की आय पर टैक्स लगाया जाता है। जिस तरह से आय बढ़ती जाती है, टैक्स बढ़ता जाता है। लेकिन बड़े उद्योगपतियों पर शायद ये शर्तें लागू नहीं होतीं, क्योंकि माना जाता है कि वे रोजगार का सृजन करते हैं, इसलिए उन्हें अतिरिक्त सुविधाएं दी जाती हैं।

यहीं से यह बात सोचनी पड़ती है कि जब आयकर देने वाले इतने कम हैं, तो किस हिसाब से इतने कम संसाधनों में देश का चौतरफा विकास हो सकता है। फिर जो भी विकास होता है उसमें कोई भी आयकर दाता के सहयोग को रेखांकित नहीं करता, बल्कि जिस दल के कार्यकाल में कोई पुल बनता है या कुछ और होता है तो उसका सेहरा वह अपने ही सिर बांधता है। ऐसे में चुनाव के वक्त मुफ्त यह और मुफ्त वह देने के लिए पैसे कहां से आएंगे, यह कोई नहीं बताता। सरकारें कटोरा लेकर विश्व बैंक और आईएमएफ के सामने खड़ी रहती हैं। और पैसे को तमाम ऐसे कार्यों में लगाने के मुकाबले जहां से लोगों को रोजगार मिल सके, वे आत्मनिर्भर हो सकें, वोट लेने के लिए कुछ न कुछ देने की घोषणाएं करती रहती हैं। दलों को यह मालूम है कि अपने देश में लोगों का लालच जितना बढ़ाओ, वह बढ़ता ही जाता है। यदि आपने आज एक रुपया बिना कुछ किए दिया है, तो कल जब तक डेढ़ रुपया देने की बात नहीं की जाएगी तो लोग कहेंगे- नया क्या दिया। एक रुपया तो पहले से ही मिल रहा है। फिर एक बार जो सुविधा आप किसी को भी मुफ्त में दे दें, वह उसे अपना अधिकार मान लेता है। कभी उसे वापस नहीं लिया जा सकता। यदि कोई दल ऐसा करने की कोशिश करे, तो चुनाव में उसकी हार पक्की हो जाती है। अब गांवों में बहुत से लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें लगता है कि सरकार मुफ्त में अनाज दे रही है। तरह-तरह की पेंशन मिल रही हैं। लड़कियों की शादी के लिए पैसा मिल रहा है, तो काम क्यों करें। किसी भी देश के विकास के लिए सबसे खतरनाक होता है कि लोगों को लालची बना दिया जाए। उन्हें अपने श्रम के मुकाबले बहुत कुछ मुफ्त में देने का भरोसा दिला दिया जाए। यही अपने देश में हो रहा है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने मुफ्त की रेवड़ियों पर तंज कसते हुए कहा था कि राज्य सरकारों के पास फ्री की रेवड़ियां देने को तो बहुत कुछ है, लेकिन जजों की तनख्वाह बढ़ाने के लिए पैसे नहीं हैं।

यानी उच्चतम न्यायालय में भी बहुत से न्यायाधीश इसके पक्ष में नहीं हैं। तब क्यों नहीं इस मुफ्तवाद को रोका जाता है। इस मुफ्त की संस्कृति ने सोवियत संघ जैसी महाशक्ति को उखाड़ फेंका। पूर्वी यूरोप के समाजवादी देशों में समाजवाद खत्म हो गया। वैनेजुएला जैसी तरक्की पसंद आर्थिकी नष्ट हो गई। एक समय में वैनेजुएला दुनिया के अमीर और ताकतवर देशों में गिना जाता था। लेकिन आज वहां बेहद महंगाई है। नौकरियां नहीं हैं। गरीबी बढ़ती जा रही है। मगर हमारे देश के नेताओं ने वोट के लालच में इन देशों की बदहाली से कोई सबक नहीं सीखा।

राष्ट्रपति की गिरफ्तारी से गहराता कोरियाई संकट

पुष्परंजन

राष्ट्रपति यून सुक येओल, हिरासत में लिए जाने वाले पहले कोरियाई नेता बन गए हैं। इस समय वो निलंबित हैं, और पुलिस हिरासत में हैं। गुरुवार को भी उनसे पूछताछ हुई। राष्ट्रपति यून सुक येओल का कसूर यह है कि उन्होंने दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ घोषित कर दिया था। उसके 43 दिन बाद, बुधवार को जांचकर्ताओं ने उन्हें पूछताछ के लिए हन्नाम-डोंग स्थित उनके आधिकारिक आवास से हिरासत में ले लिया था। यून को ग्योंगगी प्रांत के उइवांग स्थित सियोल हिरासत केंद्र ले जाया गया। इस कांड से सड़क पर संग्राम जैसी स्थिति है। यून सुक येओल के एक समर्थक ने अपने शरीर में आग लगा ली। इस बार, जांचकर्ता गिरफ्तारी आदेश को लागू करने में मदद करने के लिए अतिरिक्त अधिकारियों को साथ लाए थे।

डर इसका था कि सुरक्षा में लगे कर्मी, जांच अधिकारियों की टीम के आगे बंदूक न तान दें। हिरासत वारंट को निष्पादित करने का एक सकारात्मक पहलू यह था, कि पुलिस, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) और राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा (पीएसएस) के बीच कोई खूनी टकराव नहीं हुआ। राष्ट्रपति के समर्थकों और विरोधियों द्वारा अपनी स्थिति संभालने के बाद सुबह-सुबह लगभग 1,000 जांचकर्ता एकत्र हुए। हालांकि, राष्ट्रपति निवास में प्रवेश अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण तरीके से किया गया। पहले जो प्रयास किये गए थे, उसके विपरीत, लगभग 500 पीएसएस अधिकारियों ने गिरफ्तारी का विरोध नहीं किया। राष्ट्रपति निवास छोड़ने से पहले, यून ने कहा, 'देश में कानून पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। मैं खूनी झड़पों को रोकने के लिए सीआईओ के पास जा रहा हूं।' लेकिन, राष्ट्रपति यून सुक येओल ने गुरुवार को भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) के सवालों का जवाब देने से इंकार कर दिया। सवाल घूम-फिर कर, वही थे कि उन्होंने मार्शल लॉ की घोषणा कैसे की। यून को ग्वाचियोन, ग्योंगगी प्रांत मुख्यालय में लाए जाने से पहले, सीआईओ ने 200 पन्नों के आरोप पत्र तैयार किये थे। उन पर दो मुख्य आपराधिक आरोप हैं- पहला सत्ता का दुरुपयोग, और दूसरा अराजकता जैसी स्थिति, जो मार्शल लॉ डिक्री को लागू करने से उत्पन्न हुई है।

यून पर यह भी आरोप है, कि उन्होंने संसद में तैनात मार्शल को उपस्थित सभासदों को हटाने के लिए कहा था, ताकि वे डिक्री को निरस्त करने के लिए मतदान न कर सकें। राष्ट्रपति यून सुक येओल के वकीलों ने कहा कि वह एजेंसी द्वारा की जा रही किसी भी जांच में सहयोग नहीं करेंगे, क्योंकि उनका मानना है कि एजेंसी के पास ऐसी जांच करने का कानूनी अधिकार नहीं है। राष्ट्रपति की बचाव टीम के एक सदस्य सेक डोंग-ह्यून के अनुसार, 'पिछले दिन सीआईओ जांचकर्ताओं द्वारा की गई 10 घंटे की पूछताछ के बाद, यून के पास कहने के लिए कुछ नहीं था, और वह पूछताछ के किसी और अनुरोध का जवाब नहीं देंगे। सीआईओ की अवैध जांच में सहयोग करने का कोई कारण या आवश्यकता नहीं है।' संवैधानिक न्यायालय ने 3 दिसंबर, 2024 को मार्शल लॉ लागू करने, और फिर उन्हें हटाने की वैधता पर विचार-विमर्श करना शुरू कर दिया है। यून पहले जवाब दे चुके हैं, कि यह आदेश शासन का एक वैध कार्य था, जिसका उद्देश्य 'राज्य विरोधी' विपक्ष का मुकाबला करना था।

3 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रपति यून सुक येओल के आदेशों का पालन करने वाले वरिष्ठ सरकारी, और सैन्य अधिकारी अब भी गिरफ्तार हैं। उनके विरुद्ध विद्रोह करने और सत्ता के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए हैं। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया के नेता ली जे-म्यांग ने स्थिति को खेदजनक बताया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि 'अब संवैधानिक व्यवस्था को बहाल करने और आजीविका के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का समय आ गया है।' इस बीच, सत्तारूढ़ पीपुल पावर पार्टी के नेता, क्वेऑन सेओंग-डोंग ने देश में हुए नुकसान पर चिंता ज़ाहिर की, और अफसोस व्यक्त किया। पिछले महीने की शुरुआत में अल्पकालिक मार्शल लॉ संकट के बाद से दक्षिण कोरियाई राजनीति उथल-पुथल में है। राष्ट्रपति यून सुक येओल ने अचानक यह कदम उठाया और विपक्ष द्वारा नियंत्रित राष्ट्रीय असेंबली द्वारा मजबूर किए गए, फिर अचानक इसे वापस ले लिया। यह तार्किक प्रश्न है, कि उन्होंने ऐसा क्यों किया? इसके लिए उनके सलाहकारों ने जो सुझाव दिए थे, वो सलाह गलत भी हो सकती है। या यह कदम यदि सही रहा हो तो उसे साबित करने की चुनौती यून सुक येओल के समक्ष है। अंतिम उत्तर संवैधानिक न्यायालय को देना है, जिसे महाभियोग के बारे में भी जांच करके अपना निष्कर्ष देना है।

क्या हम कहें, कि दक्षिण कोरिया संसदीय राजनीति की विफलता की ओर अग्रसर है? दो मुख्य राजनीतिक दल, सत्तारूढ़ 'पीपुल्स पावर पार्टी' और विपक्षी 'डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया', एक-दूसरे से पूरी तरह से अलग हो गए हैं, जिससे राजनीतिक संवाद और समझौते के लिए कोई जगह नहीं बची है। संसद की राजनीति सड़क पर है। दो राजनीतिक खेमों के बीच बढ़ते ध्रुवीकरण को देखते हुए संवाद की गुंजाइश कम दिखती है। लगभग स्वचालित रूप से राजनीतिक समस्याओं को न्यायपालिका को सौंप दिया गया। राजनीति का न्यायिकीकरण कोरियाई राजनीतिक व्यवस्था में संरचनात्मक कमियों को उजागर करता है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों के अनुसार, 'राष्ट्रपति यून सुक येओल की हिरासत ने राष्ट्रपति सुरक्षा प्रोटोकॉल की निरंतरता के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि वे कोरिया के संवैधानिक इतिहास में निरुद्ध होने वाले पहले राष्ट्रपति बन गए हैं।'

सैंडविच

बड़ों से लेकर बच्चों तक को है खाने में पंसद

सामान

2 रोटी, उबले हुए आलू, गाजर, मटर, और बीन्स, पनीर के टुकड़े, बारीक कटा प्याज, बारीक कटी शिमला मिर्च, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला - 1/2 चम्मच, चाट मसाला - 1/2 चम्मच, नमक, टमाटर सॉस और हरी चटनी, बटर।

वेज रोल एक ऐसा पकवान है, जिसे बड़े से लेकर बच्चे तक काफी मन से खाना पसंद करते हैं। इसे बनाना भी कोई मुश्किल काम नहीं है। खासतौर पर यदि आप बैचलर हैं, तब तो आप रोल बनाकर अपना पेट और मन दोनों को खुश कर सकते हैं। इसे बनाने के लिए सब्जियों से लेकर पनीर तक का इस्तेमाल किया जाता है। वैसे तो रोल को तवे पर ही बनाया जाता है लेकिन यदि आपको कुरकुरा रोल पसंद है, तो इसे आप सैंडविच मेकर में बना सकते हैं। सैंडविच मेकर में वेज रोल काफी आसानी से बन जाता है। इसका स्वाद तवे वाले रोल से काफी अलग होता है, लेकिन ये ज्यादा स्वादिष्ट होता है।

विधि

रोल बनाने के लिए सबसे पहले एक कढ़ाई में थोड़ा सा तेल गरम करें। उसमें प्याज, शिमला मिर्च और हरी मिर्च डालकर हल्का भूनें। इसके बाद कढ़ाई में उबली हुई सब्जियां और पनीर डालें और सभी चीजों को अच्छी तरह से मैश करें। आखिर में सभी मसाले डालकर मिक्स करें और फिर ऊपर से इसमें धनिया पत्ती डालें। अब बारी आती है रोल तैयार करने की। इसके लिए रोटी लेकर उसकी एक तरफ टमाटर सॉस और हरी चटनी लगाएं। चटनी लगाने के बाद इसपर तैयार स्टफिंग को अच्छी तरह से फैला दें। इसके बाद रोल पर थोड़ा सा मक्खन लगाएं और इसे सैंडविच मेकर में रखें। इसे 2-3 मिनट तक पकाएं। जब तक यह हल्का सुनहरा और क्रिस्पी हो जाए तो सैंडविच मेकर को बंद कर दें। आखिर में इसे प्लेट में निकालें और पसंदीदा चटनी के साथ परोसें।

मीठा खाने का शौक है तो बनाएं रसमलाई

बात अगर त्योहारों की हो रही हो, और मीठे का जिक्र न हो, ये तो हो ही नहीं सकता। त्योहारों का सीजन शुरू होते ही बाजार में भी नई-नई तरीके की मिठाइयां मिलने लगती हैं। कई बार ऐसा होता है कि खपत ज्यादा होने की वजह से बाजार में मिलावट वाली मिठाई मिलने लगती हैं, जिनके सेवन से हेल्थ खराब होने का डर होता है। इसी के चलते आज के समय में महिलाएं घर पर ही हर तरह की मिठाई बनाना पसंद करती हैं। घर पर बनीं मिठाई में किसी तरह का कोई केमिकल नहीं मिला होता। ऐसे में आप इसे पेट भर के भी खा सकते हैं। अगर आप भी घर पर कुछ खास बनाना चाहती हैं तो आप रसमलाई बना सकते हैं। शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा, जिसे रसमलाई खाना पसंद नहीं होगा।

सामान

दूध- 1 लीटर, चीनी- 1 कप, नींबू का रस या सिरका- 1-2 चम्मच (दूध फाड़ने के लिए), इलायची पाउडर- 1/4 चम्मच, केसर, पिस्ता और बादाम- सजाने के लिए, दूध (रबड़ी के लिए)- 1 लीटर, चीनी- 1/4 कप।

विधि

रसमलाई बनाने के लिए आपको सबसे पहले तो छेना तैयार करना है। इसके लिए सबसे पहले एक लीटर दूध को एक भगोने में लेकर उबाल लें। जब ये उबलने लगे तो उसमें नींबू का रस या सिरका डालें। सिरका या नींबू डालते ही दूध फट जाएगा। दूध फटने के बाद उसे मलमल के कपड़े से छानकर छेना अलग कर लें। इसे छानने के बाद एक बार ठंडे पानी से धो लें। पानी से धोने के बाद इसे थोड़ा गूंथ कर मुलायम कर लें। जब ये पूरी तरह से मुलायम हो जाए तो इसकी छोटी-छोटी लोई बना लें। इसे तैयार करने के बाद आपको चाशनी तैयार करनी है। अब एक बर्तन में 4 कप पानी और 1 कप चीनी मिलाकर चाशनी तैयार करें। जब चाशनी में उबाल आ जाए, तो छेने की गोलियों को उसमें डालें और ढककर 10-15 मिनट तक पकाएं, जब तक कि रसगुल्ले फूल न जाएं। इसके बाद आपको रसमलाई का रस तैयार करना है। इसके लिए एक पैन में 1 लीटर दूध को धीमी आंच पर उबालें। उसे गाढ़ा होने तक पकाएं और बीच-बीच में चलाते रहें ताकि दूध तले में न लगे। इसमें 1/4 कप चीनी, केसर के धागे और इलायची पाउडर मिलाएं। इसे और 10 मिनट तक पकाएं और फिर ठंडा होने दें। अच्छी तरह से पकने के बाद गैस बंद कर दें और फिर इसे ठंडा होने दें। जब ये ठंडा हो जाए तो इसमें चाशनी में डूबे हुए रसगुल्ले डाल दें। फिर इसके ऊपर से कटे हुए पिस्ता और बादाम से सजाएं। इसे ठंडा करके परोसें।

हंसना मना है

लड़का- कल से हम कहीं और मिलंगे, लड़की - क्यूं? लड़का - बड़े कमीने है तेरी गली के बच्चे, लड़की - क्या हुआ? लड़का - कुते पीछे लगाकर कहते है, जब प्यार किया तो डरना क्या!

एक मक्खी गंजे के सर पर बैठी थी, दुसरी ने कहा वाह.! क्या घर मिला है तुझे। पहली मक्खी : नहीं रे, अभी तो सिर्फ प्लॉट खरीदा है..!

अपना बच्चा रोये तो दिल में दर्द होता है, और दुसरे का रोये तो सिर में। अपनी बीवी रोये तो सिर में दर्द होता है, और दुसरे की रोये तो दिल में।

पूरी शराब की बोतल ही गटक ली आज उसने। बीवी ने तो सिर्फ इतना ही कहा था के आज 'पीके' दिखा दो।

एक बार इंजीनियरिंग के सभी प्रोफेसर को एक प्लेन में बैठाया गया। फिर अनाउंसमेंट हुई, ये प्लेन, आपके स्टूडेंट्स ने बनाया है सब प्रोफेसर उतर गएज्यर प्रिंसिपल बैठा रहा। लोगों ने पूछा- आपको डर नहीं लगता? प्रिंसिपल- मुझे अपने स्टूडेंट्स पर पूरा भरोसा है। ये स्टार्ट ही नहीं होगी।

कहानी — लक्ष्य पर ध्यान

यह उन दिनों की बात है जब स्वामी विवेकानंद अमेरिका में थे। एक दिन वो सैर के लिए निकले और घूमते-घूमते एक पुल के पास पहुंचे। तभी उनकी नजर पुल पर खड़े बच्चों पर गई। सभी बच्चे बंदूक से पुल के नीचे बहती बड़ी-सी नदी में तैर रहे अंडों के छिलकों पर निशाना लगाने की लगातार कोशिश कर रहे थे। कई कोशिशों के बाद भी वो एक बार भी अंडे के छिलके पर सही निशाना नहीं लगा पाए। यह देखकर स्वामी विवेकानंद बड़े हैरान हुए। उनके मन में हुआ कि मुझे भी एक बार कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों से बंदूक मांगी और खुद निशाना लगाने लगे। स्वामी ने बंदूक तानी और अंडे के छिलके पर पहली बार में ही निशाना लगा लिया। पहला निशाना सही लगने के बाद उन्होंने एक के बाद एक कई सारे अंडे के छिलकों पर सही निशाना लगाया। स्वामी के निशाने की कला को देखकर बच्चे हैरान रह गए। बच्चों ने स्वामी से पूछा कि आखिर वो कैसे एक के बाद एक सही निशाना लगा रहे हैं। आगे बच्चों ने कहा कि वो बहुत देर से उन छिलकों पर निशाना लगाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं रहा है। हमें भी बताइए सही तरीके से निशाना लगाने के लिए क्या करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद ने बच्चों को जवाब देते हुए कहा कि इस दुनिया में ऐसा कोई काम नहीं है, जो किया नहीं जा सकता। दुनिया में कोई भी काम असंभव नहीं है। बस अपना सारा ध्यान उस काम की तरफ लगाओ, जिसे तुम्हें करना है या जिसे तुम कर रहे हो। उन्होंने आगे बताया कि अगर निशाना लगाते वक्त तुम्हारा सारा ध्यान अंडे के छिलके पर होता, तो तुम निशाना ठीक तरीके से लगा पाते।

कहानी से सीखः लक्ष्य को पूरा करने की चाहत रखने वाले को हमेशा पूरा ध्यान उस लक्ष्य पर ही रखना चाहिए। ऐसा करने से लक्ष्य चूकता नहीं है।

7 अंतर खोजें

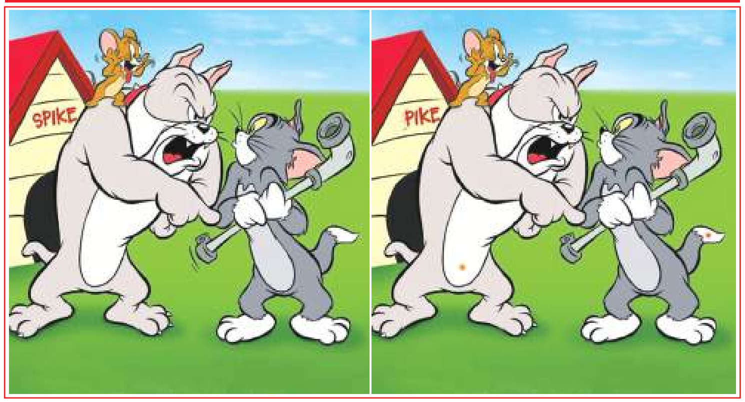

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — घर-बाहर आज प्रसन्नता बनी रहेगी। संतान के संबंध में संतोष रहेगा। व्यावसायिक अथवा आजीविका संबंधी समस्या का समाधान हो सकेगा। बाहर सहायता से काम होंगे।

वृषभ — आज जोखिम व जमानत के कार्य टालें। खर्च का बोझ बढ़ेगा। किसी पर अत्यधिक भरोसा न करें। व्यापार, नौकरी में अड़चनें आने से मनोबल में कमी आ सकती है।

मिथुन — संतान की प्रगति होगी। व्यापार-व्यवसाय में प्रगतिकारक वातावरण का सृजन होगा। सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कर्क — बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। अधूरे काम समय से पूरे होने के योग हैं। नए कार्यों से लाभ के मार्ग प्रशस्त होंगे।

सिंह — आज दौड़धूप अधिक करना होगी। घरेलू मामलों में अपनी वाणी पर संयम रखें। विरोधियों से सावधान रहें। परिवार की परेशानी का हल संभव है।

कन्या — मान-सम्मान मिलेगा। धनार्जन होगा। प्रसन्नता रहेगी। पारिवारिक सुख एवं पत्नी के सहयोग से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। किसी से बहस न करें।

तुला — बाहरी तथा घरेलू मामलों में प्रसन्नता रहेगी। धनार्जन होगा। सोच-समझकर कार्य करना लाभप्रद रहेगा। पुरुषार्थ सफल होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

वृश्चिक — घर में आत्मसम्मान बना रहेगा। सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगे। पारिवारिक सुख-शांति बरकरार रहेगी। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। यात्रा होगी।

धनु — जोखिम व जमानत के कार्य बिलकुल न करें। संतान की गतिविधियों पर नजर रखना होगी। कामकाज का बोझ बढ़ने से व्यापार पर विपरीत असर हो सकता है।

मकर — व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता रहेगी। राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विशेष लाभ का योग है। आर्थिक उन्नति होगी। सामाजिक उत्तरदायित्व की पूर्ति करेंगे।

कुम्भ — वरिष्?ठजनों का सहयोग मिलेगा। नवीन योजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए दिन अच्छा होने की संभावना है। प्रेम-प्रसंग में सफलता मिलेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। रुके कार्यों में गति आएगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। माता के स्वास्थ्य की ओर ध्यान देना आवश्यक।

बॉलीवुड | मन की बात

नंदमुरी बालाकृष्ण जनता के भगवान हैं : बॉबी देओल

नंदमुरी बालाकृष्ण और बॉबी देओल स्टारर फिल्म डाकू महाराज 12 जनवरी को पर्दे पर आई है। फिल्म थिएटर्स में दमदार कमाई कर रही है। ऐसे में बॉबी देओल खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। बॉबी ने डाकू महाराज से अपना तेलुगु डेब्यू किया है और इसके हर रोज के दमदार कलेक्शन से वे काफी खुश हैं। एक हालिया इंटरव्यू में बॉबी देओल ने डाकू महाराज में काम करने की वजह का खुलासा किया। उन्होंने कहा-जिस चीज ने मुझे इस प्रोजेक्ट की तरफ खींचा वो इसका सब्जेक्ट था। ये बहुत ही अर्थी था और मैं किसी ऐसी चीज की तलाश में था जो विशाल और अर्थी हो, और इमोशन्स से भरी हो जिससे जनता और पूरा भारत जुड़ सके। डाकू महाराज के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर बात करते हुए बॉबी देओल ने कहा- खैर, ये मेरी जिंदगी का एक दिलचस्प समय है। ये साल की शुरुआत है और हमारी पहली तेलुगु फिल्म रिलीज हुई है और ये बहुत अच्छा परफॉर्म कर रही है। मुझे लगता है कि निर्देशक बॉबी कोली ने दर्शकों के लिए एक बहुत ही ग्रेट टॉपिक लाने और इसे इतने स्टाइल और रवैया देने में बहुत अच्छा काम किया है और उनके साथ काम करना अद्भुत रहा है। वो एक अच्छे इंसान हैं। बॉबी देओल ने आगे नंदमुरी बालाकृष्ण के साथ अपना वर्क एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने कहा- बाला सर के बारे में बात करें तो वह जनता के भगवान हैं। वो एक लाइन कहते हैं और लोग पागल हो जाते हैं। बॉबी ने उनका एक अलग पक्ष पेश किया है और बाला सर एक अद्भुत पर्सनैलिटी हैं। मैं सच में खुशनसीब महसूस करता हूं। वर्कफ्रंट पर बॉबी देओल के पास डाकू महाराज के बाद कई फिल्में पाइपलाइन में हैं। इनमें आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की फिल्म अल्फा और थलपति 69 शामिल है। इसके अलावा बॉबी प्रअनुराग कश्यप की एक अनटाइटल्ड फिल्म में भी काम कर रहे हैं।

नागिन बनने को तैयार 'स्त्री'

स्त्री 2 से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद श्रद्धा कपूर अब नागिन बनने की तैयारी कर रही हैं। इस फिल्म की चर्चा काफी समय से हो रही थी क्योंकि इसकी स्क्रिप्ट लिखने में 3 साल लग गए। अब फिल्म के निर्माता निखिल द्विवेदी ने फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी। वहीं, इस अपडेट के आने के बाद श्रद्धा के फैंस भी काफी एक्साइटेड हैं।

श्रद्धा कपूर के साथ-साथ उनके फैंस इस फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हैं और जल्द ही इसे बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। स्त्री के बाद उनके फैंस उनको नागिन के अवतार में देखने के लिए बेसब्र हुए जा रहे हैं। हाल ही में मकर संक्रांति के मौके पर फिल्ममेकर निखिल द्विवेदी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक स्क्रिप्ट की फोटो शेयर की। उन्होंने इस फोटो पर लिखा, नागिन, प्यार और बलिदान की एक शानदार कहानी।

निखिल ने इसके साथ कैप्शन में लिखा, मकर संक्रांति और आखिरकार।.. ये फिल्म जल्द ही शुरू होने वाली है और इसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होगी। पिछले साल निखिल ने बताया था कि श्रद्धा कपूर अपनी फिल्म नागिन की शूटिंग शुरू करने को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। उम्मीद है कि इसकी शूटिंग 2025 में शुरू होगी। 2020 में श्रद्धा ने भी अपने एक्स (ट्विटर) हैंडल पर इस फिल्म नागिन को लेकर अपनी खुशी जाहिर की थी। अब उनको वो ट्वीट भी वायरल हो रहा है।

उन्होंने लिखा था, मेरे लिए बड़े पर्दे पर नागिन का किरदार निभाना बहुत खास है। मुझे श्रीदेवी की फिल्म नगीना बहुत पसंद थी और मैं हमेशा से ऐसी कहानी पर काम करना चाहती थी। श्रद्धा की पिछली हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने कई रिकॉर्ड तोड़ते हुए वर्ल्डवाइड 800 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जिसमें राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी नजर आए थे। फिल्म में तमन्ना भाटिया के आइटम सॉन्ग के अलावा अक्षय कुमार वरुण धवन का धांसू कैमियो भी था।

फिल्म 'फतेह' को लेकर सोनू सूद ने फैंस को कहा शुक्रिया

बॉलीवुड | मसाला

सोनू सूद की बतौर निर्देशक बॉलीवुड में पहली फिल्म फिल्म 'फतेह' रही। इस फिल्म को प्रमोट करने में एक्टर ने कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर यह बहुत अच्छी कमाई नहीं कर पाई। इस फिल्म में सोनू सूद ने साइबर क्राइम को लेकर कहानी बुनी थी। हाल ही में एक्टर-डायरेक्टर सोनू सूद ने फैंस को सोशल मीडिया के जरिए शुक्रिया कहा है। सोनू सूद ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह फिल्म 'फतेह' बनाने की इंस्पिरेशन पर बात करते दिखे। वह वीडियो में कहते हैं, 'जब फिल्म 'फतेह' बनानी शुरू की थी तो यह महज एक मूवी नहीं थी, हर आम इंसान की कहानी थी, जो साइबर क्राइम से परेशान है। मुझे लगा कि यह कहानी बतानी जरूरी है।' सोनू सूद वीडियो में आगे कहते हैं, 'एक इंसान ने मुझे कहा था कि जब किसी गरीब आदमी के दो हजार रुपए निकल जाते हैं तो उसके बच्चों के भविष्य पर इसका असर होता है। फिल्म में भी एक किरदार है, जो साइबर क्राइम से परेशान होकर, सुसाइड करता है। फिल्म का यह किरदार एक सच्ची घटना से प्रेरित है। इसलिए जब मैं फिल्म 'फतेह' की कहानी लिख रहा था तो लगा कि लोगों के लिए यह फिल्म बनानी है और इसका प्रॉफिट भी लोगों को ही दे देना है।'

एक्टर सोनू सूद यह भी कहते हैं, 'फिल्म 'फतेह' को दर्शकों ने जो रेस्पॉन्स दिया है, उसके लिए दिल से शुक्रिया। फिल्म का हर टिकट जरूरतमंद लोगों के चेहरे पर मुस्कान ला रहा है। हम सब मिलकर लोगों की जिंदगियां बदलेंगे।' फिल्म 'फतेह' के प्रमोशन के दौरान एक्टर सोनू सूद ने कहा था कि जब वह फिल्म 'फतेह' से फ्री हो जाएंगे तो साउथ की फिल्मों में काम कर सकते हैं। वह साउथ की फिल्मों में भी जाना-माना नाम हैं, वहां की फिल्मों में विलेन के रोल करते रहे हैं।

अजब-गजब | शायद ही पता होगा आपको प्रश्न का उत्तर

भारत के नेशनल हाइवे को कैसे दिया जाता है नाम, सबसे बड़ा और छोटा हाइवे कौन सा है

जम्मू कश्मीर से कन्याकुमारी तक और गुजरात से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक भारत में दर्जनों हाइवे हैं। नेशनल हाइवे वो रोड होती हैं जो देश के एक हिस्से को दूसरे से जोड़ने का काम करती हैं और उन्हें भारत सरकार, यानी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के द्वारा बनाया और फिर मेंटेन किया जाता है। आपने देश के नेशनल हाइवे के नाम भी सुने होंगे। NH 9, NH 24, आदि राष्ट्रीय राजमार्ग मौजूद हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर इन सड़कों को नाम (How Indian Highways are Numbered) कैसे दिया जाता है और इनमें से सबसे बड़ा और सबसे छोटा हाइवे कौन सा है? अनिकेत ठाकुर एक कंटेंट क्रिएटर हैं। वो अक्सर भारत से जुड़े अनोखे फैक्ट्स के बारे में बताते हैं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने एक काफी रोचक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत के नेशनल हाइवे (How National Highways are named in India) के नाम उन्हें कैसे

दिए जाते हैं? आपने सुना होगा कि नेशनल हाइवे यानी NH के आगे एक संख्या जुड़ी होती है। ये संख्या कैसे निर्धारित की जाती है? चलिए आपको बताते हैं।

जो नेशनल हाइवे नॉर्थ से साउथ तक जाते हैं, उनमें ईवन संख्या का इस्तेमाल होता है, जैसे 2,4,6,8... आदि। नॉर्थ से साउथ चलने वाला हाइवे जितना पूर्व की तरफ होगा, उसका नंबर उतना छोटा होगा और जितना पश्चिम की तरफ होगा, उसका नंबर उतना बड़ा होगा। उदाहरण के तौर पर डिब्रूगढ़ से तुझपांग हाइवे का नंबर NH 2 है जबकि पंजाब के अबोहर को राजिस्थान के पिंडवारा से जोड़ने वाले हाइवे को NH 62 अंक दिया गया है।

उसी प्रकार जो हाइवे पूर्व से पश्चिम की ओर जाते होंगे, उन्हें ऑड नंबर दिया जाता है, जैसे 1,3,5,7...आदि। पूर्व से पश्चिम की ओर जाने वाले हाइवे जितने उत्तर की तरफ होते हैं, उनका नंबर छोटा होता है वहीं जो हाइवे दक्षिण की तरफ ज्यादा होते हैं, उनका नंबर बड़ा होता है। जैसे उरी से लेह जोड़ने वाले राष्ट्रीय हाइवे को NH 1 बोलते हैं जबकि ढोंडी को कोच्चि से जोड़ने वाले हाइवे को NH 85 बोलते हैं। कुछ हाइवे के अंक 3 होते हैं, जैसे 244, 144, 344। ये सब्सिडियरी हाइवे बोलते हैं, जो किसी प्रमुख हाइवे से निकले होते हैं।

भारत का सबसे लंबा हाइवे NH 44 है जो 4,112 किलोमीटर लंबा है और श्रीनगर को कन्याकुमारी से जोड़ता है। इसके अलावा सबसे छोटा हाइवे NH 548 है, जो NH 48 का ही भाग है. NH 118 भी काफी छोटा हाइवे है जो सिर्फ 17 किलोमीटर लंबा है।

गजब है! इस मेले में 25 लाख रुपये से ज्यादा की बिकती है सिर्फ मिठाइयां

पूर्वी बर्दवान जिले के आउशग्राम ब्लॉक के स्वाता गांव में हर साल एक अनोखा मेला लगता है, जिसे लोग 'बोम्मन साहब का मेला' भी कहते हैं। यह मेला 200 वर्षों से भी अधिक पुराना है और यहां मिठाइयों की खरीदारी का उत्सव देखा जाता है। मेला समिति के अनुसार, यह मेला पौष संक्रांति के दिन शुरू होता है और छह दिनों तक चलता है। इस दौरान हजारों लोग पीर बाबा के स्थान पर दर्शन करने के साथ-साथ मिठाइयों की खरीदारी करने आते हैं। इस मेले की सबसे खास बात यह है कि यहां लगभग 25 लाख रुपये की मिठाइयां बिकती हैं। मेला समिति के सचिव अब्दुल अलीम ने बताया कि मिठाई कारोबारी इस मेले में आने से काफी खुश रहते हैं क्योंकि यहां मिठाइयों की बिक्री हर साल बढ़ती जा रही है। लोग बाल्टी, बर्तन और मिट्टी के बड़े बर्तन भर-भर कर मिठाइयां खरीदते हैं। यह परंपरा है कि कोई भी व्यक्ति इस मेले से खाली हाथ नहीं लौटता। मिठाइयों के दीवाने यहां विभिन्न प्रकार की मिठाइयों का आनंद लेने आते हैं। रसगुल्ला, बड़ा लंगचा, और अन्य पारंपरिक मिठाइयां हर दुकान पर उपलब्ध होती हैं। ग्राहक टुकड़ों में मिठाइयां खरीदते हैं और परिवार व दोस्तों के लिए घर ले जाते हैं।

मेले में आए एक ग्राहक, शेख मोइद्दीन, ने बताया, मैं हर साल इस मेले में मिठाइयां खरीदने आता हूं। इस बार मैंने 1500 रुपये की मिठाई खरीदी है और अभी और खरीदने का इरादा है। मिठाई विक्रेता रतन दास ने बताया कि पहले मिठाइयां किलो के हिसाब से बिकती थीं, लेकिन अब टुकड़ों में बिकती हैं। यह मेला छह दिनों तक चलता है और पहले चार दिन सबसे ज्यादा भीड़ रहती है। लोग बर्तन, लोटे और बाल्टियां लेकर मिठाइयां खरीदने आते हैं। मेला न केवल मिठाइयों के लिए, बल्कि ग्रामीण परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के लिए भी प्रसिद्ध है।

संघ व भाजपा से लड़ना है तो दिमाग से लड़ना होगा : दिग्विजय

» मध्य प्रदेश एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को दिया मंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश एनएसयूआई की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के राजीव गांधी सभागार में आयोजित की गई। पूर्व सीएम और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं से पूछा कि आप में से कांग्रेस का इतिहास किस-किस ने पढ़ा है। आपको कांग्रेस का इतिहास पढ़ना चाहिए। अगर आपको आरएसएस-बीजेपी से लड़ना है तो दिमाग से लड़ना होगा, सिर्फ जिंदाबाद करने से नहीं लड़ पाओगे, जिंदाबाद करने से भाजपा को नहीं हरा पाओगे।

दिग्विजय सिंह, एनएसयूआई प्रभारी मृणाल पंत पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े एनएसयूआई राष्ट्रीय सचिव व मप्र प्रभारी रितु बराला प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे एनएसयूआई के सह प्रभारी महेश सामोता उपस्थित रहें बैठक में सभी प्रदेश पदाधिकारियों और जिला अध्यक्षों के कार्यों की समीक्षा की गई ।वहीं कैंपस चलो अभियान में बेहतर कार्य करने वाले पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया। दिग्विजय सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ अपने आपको सांस्कृतिक बॉडी कहता है।

आरएसएस नॉन रजिस्टर्ड संगठन

आरएसएस नॉन रजिस्टर्ड संगठन है। आरएसएस की मेंबरशिप नहीं है और न ही उसका खाता है। लेकिन वह फिर भी खुद को देश का सबसे बड़ा संगठन मानता है और मोहन भागवत उसके प्रमुख हैं। एक बात तो ये है कि संघ में महिलाओं को सदस्यता नहीं दी जाती और दूसरी बात ये है कि संघ भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान के प्रियंबल को नहीं मानते। इसके बाद उन्होंने कार्यकर्ताओं को प्रियंबल पढ़ कर सुनाया। आपको यह आपके फोन में रखना चाहिए।

भूपेंद्र सिंह कब ले रहे संन्यास : जीतू पटवारी

मध्य प्रदेश में सौरभ शर्मा मामले में सियासत जारी है। अब पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह का एक वीडियो शेयर करते हुए पूछा है कि सौरभ-समर्थक कब संन्यास ले रहे हैं ? दरअसल, एक दिन पहले हेमंत कटारे और भूपेंद्र सिंह के बीच आरोप-प्रत्यारोप के दौरान पूर्व मंत्री ने कहा था कि 'अगर ऐसा कोई पत्र या नोटशीट बता दें जिसमें मैंने कोई अनुशंसा की हो तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा'। जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक नोटशीट का पेज शेयर किया है जिसमें भूपेंद्र सिंह के हस्ताक्षर से सौरभ शर्मा को अनुकंपा नियुक्ति देने की बात लिखी हुई है। इस पत्र को साझा करते हुए कांग्रेस ने भूपेंद्र सिंह से सवाल किया है कि वो राजनीति छोड़ने की अपनी बात पर कब अमल करेंगे। दरअसल, गुरुवार को मध्य प्रदेश में उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और इसमें उन्होंने पूर्व मंत्री भूपेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की नियुक्ति भूपेंद्र सिंह की सिफारिश पर हुई थी और उनके परिवहन मंत्री रहते हुए ही सौरभ शर्मा ने तरक्की की थी। इन आरोपों के जवाब में भूपेंद्र सिंह ने कहा था कि हेमंत कटारे मैनेज होकर पत्रकार वार्ता करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में सौरभ शर्मा कभी उनके विधानसभा क्षेत्र के चेकपोस्ट पर तैनात नहीं थे।

आयुष्मान भारत सबसे बड़ा घोटाला : केजरीवाल

» सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई थी रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना को देश का सबसे बड़ा घोटाला करार दिया। इससे पहले आज सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली सरकार को इसे लागू करने के लिए केंद्र के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया था। केजरीवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने पुष्टि की है कि यह एक फर्जी योजना है। आयुष्मान भारत देश का सबसे बड़ा घोटाला है। जब केंद्र सरकार बदलती है और इन घोटालों की जांच होती है, तो लोगों को एहसास होगा कि आयुष्मान भारत वास्तव में कितना बड़ा घोटाला था।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की शीर्ष अदालत की पीठ ने उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें दिल्ली सरकार को पीएम-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को लागू करने के लिए 5 जनवरी तक केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के लिए कहा गया था। मिशन (पीएम-अभिम)। पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 24 दिसंबर, 2024 के निर्देश के खिलाफ दिल्ली सरकार द्वारा दायर याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा।

सिंधु और किरण की क्वार्टरफाइनल में हार

» इंडिया ओपन : सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को इंडिया ओपन सुपर 750 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में पेरिस कांस्य पदक विजेता इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से हारकर बाहर हो गईं जबकि सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने सेमीफाइनल में पहुंचकर भारतीय उम्मीद कायम रखी। 2022 की चैम्पियन सात्विक और चिराग की जोड़ी ने कोरिया के जिन योंग और कांग मिन हु की जोड़ी को महज 41 मिनट में 21-10, 21-17 से हरा दिया।

इस जोड़ी का यह टूर पर लगातार तीसरा सेमीफाइनल है। यह जोड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और मलेशिया सुपर 1000 के अंतिम चार में पहुंची थी। इससे पहले पूर्व चैंपियन सिंधु ने शुरुआती एकतरफा गेम हारने के बाद जोरदार वापसी की लेकिन निर्णायक गेम में लड़खड़ा गईं और 62 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 9-21, 21-19, 17-21 से पराजित हो गईं। पुरुष एकल में भारत की एकमात्र उम्मीद किरण जॉर्ज थे लेकिन उन्हें चीन के होंग यांग वेंग से 13-21, 19-21 से हार मिली। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने मैच की शुरुआत जबरदस्त रैली से की और फिर उन्होंने पूरी तरह से दबदबा बना लिया। भारतीयों ने रैलियों को छोटा रखा, लगातार हमले किए और क्रिस-क्रॉस नेट प्ले किया, जिससे ब्रेक तक 11-3 की बढ़त हो गई। भारतीय लगातार आगे बढ़ते रहे और 18-8 की बढ़त हासिल कर ली। हालांकि सिंधु ने ब्रेक के तुरंत बाद अंतर कम किया और अपने प्रतिद्वंद्वी पर दबाव बनाए रखा। पर तुनजुंग 17-14 पर पहुंच गई। लेकिन सिंधु ड्रॉप और नेट शॉट से बराबरी पर पहुंच गई। तुनजुंग ने फिर तीन मैच प्वाइंट हासिल किए और सिंधु के बेहतरीन प्रयासों के बावजूद क्रॉस-कोर्ट विनर के साथ मैच जीत लिया। किरण ने इससे पहले अपने प्रतिद्वंद्वी वेंग को हराया था और उन्हें इसी प्रदर्शन की उम्मीद थी।

यह निश्चित रूप से दुखद है: पीवी सिंधु

सिंधु ने संवाददाताओं से कहा कि यह निश्चित रूप से दुखद है कि इतनी कड़े मुकाबले के बाद मैं तीसरे सेट में हार गई। लेकिन मुझे लगता है कि खेल ऐसा ही होता है। मुझे निश्चित रूप से मजबूत वापसी करनी थी लेकिन उस समय कोई भी उस अंक को हासिल कर सकता था या इसे गंवा सकता था। उन्होंने कहा कि मैच में लंबी रैलियां थीं। मुझे और अधिक निरंतर होना होगा। लेकिन कभी कभी ऐसा होता है।

'राज्य सरकार न्याय के नाम पर कर रही छल'

» पीडीपी नेता महबूबा मुफ्ती ने लगाया आरोप- भ्रष्टाचार के साथ हो रहा गठजोड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर सरकार के खिलाफ एसीबी के एक अधिकारी के तबादले को लेकर कड़ी आलोचना की। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और शक्तिशाली लोगों के बीच गठजोड़ का प्रमाण बताया और सवाल उठाया कि क्या जम्मू-कश्मीर सरकार न्याय और जवाबदेही के प्रति गंभीर है। सरकार ने एसीबी के एसएसपी अब्दुल वहिद, जिन्हें हाल ही में एसीबी के एआईजी के रूप में नियुक्त किया गया था। जिसका तबादला होम डिपार्टमेंट में किया है।

वह श्रीनगर स्मार्ट सिटी परियोजना में भ्रष्टाचार की जांच कर रहे थे और हाल ही में उन्होंने इसके दो वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ असंतुलित संपत्ति के मामले दर्ज किए थे। महबूबा मुफ्ती ने एक्स प्लेटफार्म पर एक पोस्ट में कहा अब्दुल वहिद और उनके सहयोगियों को एसीबी से हटाना उन अधिकारियों के लिए जोखिम को उजागर करता है जो भ्रष्टाचार का सामना करते हैं। यह भ्रष्ट और शक्तिशाली लोगों के बीच गठजोड़ को उजागर करता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार की यह कार्रवाई भ्रष्टाचार की जांच के बहाने कश्मीरियों की संपत्तियों पर छापेमारी करने के असली इरादों को दिखती है। महबूबा ने इस कदम को सार्वजनिक रूप से घोटाले का खुलासा करने वाले को दंडित करने के रूप में बताते हुए सरकार की न्याय और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया।

पीएम मोदी ने जो वादा किया वो पूरा कर दिखाया : फारूक

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह अजमेर में अकीदत के फूल और मखमली चादर पेश किए। साथ ही देश-दुनिया में अमन चैन खुशहाली रहे, उसको लेकर दुआ की। जियारत के बाद फारूक अब्दुल्ला ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि दुआ में ख्वाजा गरीब नवाज से उन्होंने मांग की है कि मुसलमान पर जो मुश्किलें आ रही हैं, उसे जल्द समाप्त करें। फारूक ने दुआ किया कि अमेरिका के कैलिफोर्निया में लगी भीषण आग काबू पाया जा सके, इसके लिए भी दुआ की गई और अमेरिका को फिर से आबाद करने की भी दुआ की गई। जम्मू-कश्मीर के चुनाव में नेशनल काफ्रेंस को जो बहुमत मिला, उसका भी धन्यवाद दिया गया। जम्मू-कश्मीर में बदहाली भी दूर हो, जम्मू-कश्मीर में अस्पताल और स्कूलों के जो हाल बदहाल हैं, उसे सही करने की दुआ की गई।

भाजपा-आरएसएस देश के लिए काम करते हैं : किशन

» केंद्रीय मंत्री ने तेलंगाना के सीएम पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की भाजपा और आरएसएस को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) से जोड़ने संबंधी उनकी टिप्पणी को लेकर कहा कि भाजपा और आरएसएस देश और लोगों के लिए काम करते हैं। किशन रेड्डी से रेवंत रेड्डी के नई दिल्ली में दिए गए इस कथित बयान के बारे में पूछा गया था कि बीआरएस, आरएसएस और भाजपा एक ही हैं।

उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी क्या कहते हैं, क्यों कहते हैं और किस संदर्भ में कहते हैं, इसे गंभीरता से लेने की कोई जरूरत नहीं है। हमें मुख्यमंत्री क्या कहते हैं, इसका जवाब देने की कोई जरूरत नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि न तो आरएसएस और न ही भाजपा को रेवंत रेड्डी से प्रमाणपत्र लेने की जरूरत है।

पुलिस लाइन में 26 जनवरी परेड की आर्मी पुलिस बल और स्कूल के छात्र और छात्राओं ने की रिहर्सल

बजट सत्र में मोदी सरकार को फिर घेरेगा विपक्ष

31 जनवरी से संसद के बजट सत्र का होगा शुभारंभ

» राष्ट्रपति के संबोधन से होगी बजट सत्र की शुरूआत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक दो भागों में होगा। इसबार फिर सदन में हंगामा होने का आसार है। जहां इस सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को आठवीं बार बजट पेश करेंगी। वहीं विपक्ष जनता से जुड़े कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी कर रही है। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी प्रोविजनल कैलेंडर के अनुसार, सत्र की शुरुआत 31 जनवरी को संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन से होगी।

इसके बाद उसी दिन आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत सरकार की सिफारिश पर बजट सत्र 2025 के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक 31 जनवरी 2025 से 4 अप्रैल 2025 तक बुलाने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति मुर्मू 31 जनवरी को सुबह 11 बजे लोकसभा चैंबर में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। रिजिजू ने लिखा,

सीतारमण आठवीं बार पेश करेंगी बजट

केंद्रीय बजट 2025-26 आगामी 1 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया जाएगा। दोनों सदनों की कार्यवाही 13 फरवरी को एक लंबे अंतराल के लिए स्थगित की जाएगी। संसद की कार्यवाही 10 मार्च को दोबारा शुरू होगी जिसमें विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की अनुदान मांगों पर चर्चा होगी और बजट पारित कराया जाएगा। बजट सत्र के पहले भाग में 31 जनवरी से 13 फरवरी तक नौ बैठकें होंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देंगे, जबकि वित्त मंत्री सीतारमण बजट पर चर्चा का जवाब देंगी। पूरे बजट सत्र में 27 बैठकें होंगी और यह 4 अप्रैल को समाप्त होगा।

मोरारजी देसाई से आगे निकलीं सीतारमण

केंद्र में नई सरकार के गठन के कुछ सप्ताह बाद पिछले साल जुलाई में वित्त मंत्री सीतारमण ने अपना सातवां बजट पेश किया था और इस प्रकार लगातार छह बजट पेश करने का स्वर्गीय मोरारजी देसाई का रिकॉर्ड तोड़ा था। वित्त मंत्री सीतारमण ने इससे पहले 2014 से 2017 के बीच पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में काम किया था। वह मई से नवंबर 2014 तक वित्त मंत्रालय और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय में राज्य मंत्री रहीं और फिर मई 2014 से सितंबर 2017 तक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहीं। बाद में, उन्हें केंद्रीय मंत्रिमंडल में वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत किया गया। सीतारमण 2019 के बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व वाली पहली कैबिनेट में रक्षा मंत्री थीं। उन्हें 2019 में मोदी 2.0 कैबिनेट में वित्त मंत्रालय का प्रभार मिला और तब से वह वित्त मंत्री हैं।

रील नहीं रियल इमरजेंसी देखें फडणवीस : शिवसेना यूबीटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुंबई में घरों में घुस कर हाई-प्रोफाइल लोगों को मारा जा रहा है और सूबे के सीएम फडणवीस कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी देखने में व्यस्त है। यह सनसनीखेज आरोप उद्धव बालासाहेब ठाकरे वाली शिवसेना ने मुख्यमंत्री फडणवीस पर लगाया है। पार्टी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा है कि महाराष्ट्र के इमरजेंसी जैसे हालात सीएम को नहीं दिख रहे। उन्होंने कहा कि सरकार को सैफ अली खान प्रकरण को लेकर रवैया बहुत खराब है। दुबे ने कहा कि सैफ अली खान को जान से मारने की कोशिश को करीब 40 घंटे हो गए, लेकिन अभी तक अभियुक्त का पता नहीं चला है।

वहीं गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस को मूवी देखने का समय है, जिसका नाम इमरजेंसी और एक्ट्रेस कंगना रनौत है। लेकिन राज्य में इमरजेंसी जैसे जो हालात हो रहे हैं, वो दिखाई नहीं दे रहे। हमें इमरजेंसी जैसे हालात को देखना है, इमरजेंसी मूवी देखकर क्या लाभ होने वाला है? उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कह रहे हैं कि हमने अभियुक्त को पकड़ लिया है, लेकिन कुछ घंटों बाद पुलिस महकमे के लॉ एंड ऑर्डर के ज्वाइंट सीपी, चौधरी कह रहे हैं कि अभी तक अभियुक्त नहीं पकड़ में आया है।

सिद्धारमैया से जुड़े मामले में 300 करोड़ की अवैध संपत्तियां जब्त

» मुडा मामले में ईडी का बड़ा एक्शन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। ईडी की जांच लोकायुक्त पुलिस मैसूरु की ओर से दर्ज एक एफआईआर के आधार पर शुरू हुई। ये एफआईआर भारतीय दंड संहिता 1860 और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अलग-अलग धाराओं के तहत दर्ज की गई थी। आरोप है कि सिद्धारमैया ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए अपनी पत्नी बीएम पार्वती के नाम पर मुआवजे के रूप में 14 प्लॉट हासिल किए।

ये मुआवजा तीन एकड़ 16 गुंटा भूमि के बदले दिया गया था जिसे मुडा ने मात्र 3,24,700 रुपये में अधिग्रहित किया था। इन 14 प्लॉट्स की वर्तमान कीमत लगभग 56 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जांच में ये भी पता चला कि पार्वती को इसके अलावा कई बाकी प्लॉट्स भी मुआवजे के रूप में दिए गए।

बीजेपी के संकल्प पत्र को आप ने बताया फर्जी

» सोमनाथ भारती बोले- आम आदमी पार्टी के वादे तक चुराती है बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भाजपा के संकल्प पत्र को आम आदमी पार्टी नेता सोमनाथ भारती ने फर्जी बताया है। सोमनाथ भारती ने कहा है कि मुझे बीजेपी के संकल्प पत्र को देखकर बड़ा आश्चर्य लगा कि भाजपा के पास न तो विजन है और न ही मूल विचार है। इनको बस एक चीज आती है, पहले कॉपी करो और फिर आम आदमी पार्टी के सीएम को गालियां दो। इसके बाद उनकी स्कीम को ही कॉपी कर लो।

सोमनाथ ने भाजपा पर सवाल उठाते हुए कहा, पिछली बार उन्होंने अपने वादों को जुमला कह दिया था। इनमें शर्म तो है ही नहीं, चुनाव के बाद बोल देंगे कि यह जुमला था। महाराष्ट्र में इन्होंने वादे किए, लेकिन उसे पूरा भी नहीं किया। क्या मालूम ऐसा दिल्ली में भी हो। जब दिख रहा है कि हमारा कुछ नहीं होगा तो वह कुछ भी कह सकते हैं। भाजपा ने दिल्ली में झुग्गी तोड़ने का काम किया। सोमनाथ भारती के मुताबिक केजरीवाल की वजह से दिल्ली में स्कूल वर्ल्ड क्लास हुए, लेकिन अगर भाजपा होती तो शायद स्कूलों की हालत खराब हो जाती है। ऐसा ही कुछ मोहल्ला क्लिनीक के साथ भी होता। हालांकि, हर बार भाजपा वादा करती थी कि दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाएंगे, लेकिन इस बार उन्होंने अपने संकल्प पत्र में यह वादा नहीं किया। इसका मतलब वह भी जान रहे हैं कि दिल्ली में केजरीवाल को जीत मिलेगी और यहां की जनता आप को वोट देगी। अगर इनको पता होता कि वह जीत रहे हैं तो वह दिल्ली को पूर्ण राज्य बनाने की बात बोल चुके होते।

बीजेपी ने झुग्गी तोड़ने का किया काम

गरीब को बनाएंगे अमीर

आप नेता ने कहा कि आम आदमी पार्टी गरीबों को गरीबी से बाहर निकालकर अमीरी की ओर ले जाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि उन्हें शिक्षा मिले और अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं मिलें। साथ ही फ्री बिजली-पानी देना चाहते हैं। पीएम मोदी एक नकली प्रधानमंत्री हैं।भाजपा द्वारा महिलाओं को 2,500 रुपये देने के ऐलान पर सोमनाथ भारती ने कहा, जब आप ने ऐलान किया था कि महिलाओं को 2,100 रुपये दिए जाएंगे तो उन्हें बुरा लगा था और कहा था कि यह तो फ्री की रेवड़ी है। भाजपा अपने विचारों से दिवालिया है, इनके पास अपना कुछ भी नहीं है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।